

डैनियल की पुस्तक - संख्या एक सौ छप्पन

डैनियल की अंतिम दृष्टि का अनावरण: आज के लिए भविष्यवाणी के सत्यों पर एक मिलराइट दृष्टिकोण

Jeff Pippenger

2024-03-24

हम दानियेल के अंतिम दर्शन पर अपने विचार की शुरुआत उस सिद्धांत को लागू करके कर रहे हैं जिसे "अल्फा और ओमेगा" प्रदर्शित करता है, जो दिखाता है कि वह सदैव अंत की पहचान आरंभ के साथ करता है। इसलिए बेल्तशस्सर, जो दानियेल के उसी अंतिम दर्शन की पहली आयत में दानियेल ही है, उसी दर्शन के अंतिम भाग में भी प्रस्तुत किया जाएगा। हमने पहचाना है कि बेल्तशस्सर अंतिम दिनों में परमेश्वर के वाचा-जन का प्रतिनिधित्व करता है, जो भविष्यवाणी के इतिहास की "chazon" दृष्टि को समझते हैं, जिसका संकेत पहली आयत में "thing" शब्द से किया गया है। भविष्यवाणी के इतिहास की वह दृष्टि लैव्यव्यवस्था छब्बीस की "सात बार" है, जो दो हजार पाँच सौ बीस वर्षों के बराबर है। बेल्तशस्सर पहली आयत में "vision" को भी समझता है, जो तेईस सौ वर्षों की "mareh" दृष्टि है, जो मसीह के अचानक प्रकट होने का प्रतिनिधित्व करती है।

बारहवें अध्याय में, दानियेल पहले स्वर्गदूत के आंदोलन तथा तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि दोनों आंदोलन दस कुँवारियों के दृष्टान्त को पूरा करते हैं। बारहवें अध्याय में कम से कम पाँच सत्य हैं जो मिलराइट आंदोलन का भाग थे, और जो उन सत्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें तीसरे स्वर्गदूत का आंदोलन भी अनुभव करना और समझना चाहिए। दोनों आंदोलन दस कुँवारियों के दृष्टान्त को पूरा करते हैं, और दोनों आंदोलनों की बुद्धिमान कुँवारियों के लिए उस भविष्यवाणीगत तथ्य को समझना आवश्यक है। दोनों आंदोलनों को वह पहला भविष्यवाणी-सत्य समझना चाहिए जिसे पहचानने के लिए मिलर को प्रेरित किया गया था, जिसका प्रतिनिधित्व लैव्यव्यवस्था अध्याय छब्बीस के "सात समय" द्वारा होता है। अन्य तीन समानांतर अनुभव और समझ इस अध्याय के अंतिम कुछ पदों में पाए जाते हैं।

और जिस समय से नित्य का बलिदान हटा दिया जाएगा, और उजाड़ करने वाली घृणित वस्तु स्थापित की जाएगी, तब एक हजार दो सौ नब्बे दिन होंगे। धन्य है वह जो प्रतीक्षा करता है, और एक हजार तीन सौ पैंतीस दिनों तक पहुँचता है। परंतु तू अपने मार्ग पर अंत तक चला जा; क्योंकि तू विश्राम पाएगा, और दिनों के अंत में अपने भाग में खड़ा होगा। दानियेल 12:11-13.

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में परमेश्वर के शेष लोग तीन प्रमुख भविष्यवाणी संबंधी विशेषताओं से युक्त हैं। वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, यीशु का विश्वास रखते हैं और भविष्यवाणी की आत्मा को धारण करते हैं।

और उसने मुझसे कहा, लिख: धन्य हैं वे जो मेम्ने के विवाह-भोज के लिए बुलाए गए हैं। और उसने मुझसे कहा, ये परमेश्वर के सच्चे वचन हैं। तब मैं उसकी आराधना करने के लिए उसके पाँवों पर गिर पड़ा। पर उसने मुझसे कहा, देख, ऐसा न कर; मैं तेरा साथी दास हूँ और तेरे उन भाइयों का भी, जिनके पास यीशु की गवाही है। परमेश्वर की आराधना कर; क्योंकि यीशु की गवाही ही भविष्यवाणी की आत्मा है। प्रकाशितवाक्य 19:9, 10.

मिलराइट्स ने सही ढंग से समझा था कि दानियेल की पुस्तक में "दैनिक" मूर्तिपूजा का प्रतिनिधित्व करता था, और कि जब "दैनिक" "हटा दिया गया," वह समय सन 508 था। उस सत्य को अस्वीकार करना "यीशु की गवाही" के अधिकार को अस्वीकार करना है, जो "भविष्यवाणी की आत्मा" है, क्योंकि "भविष्यवाणी की आत्मा" स्पष्ट रूप से पुष्टि करती है कि मिलराइट्स "दैनिक" की अपनी समझ में सही थे।

"तब मैंने 'Daily' के संबंध में देखा कि 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था और मूल पाठ का हिस्सा नहीं है; और यह कि प्रभु ने उसकी सही समझ उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय के समय की पुकार दी।

जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तो लगभग सभी 'Daily' की सही समझ पर एकमत थे; परन्तु 1844 के बाद, भ्रम के बीच अन्य विचारों को स्वीकार कर लिया गया है, और परिणामस्वरूप अंधकार और भ्रम छा गया है।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 1 नवंबर, 1850.

मिलराइट्स समझते थे कि 538 में पापाई सत्ता के उदय के विरुद्ध पैगनवाद का प्रतिरोध वर्ष 508 में हटा दिया गया था। मिलराइट्स सही थे, लेकिन उनकी समझ सीमित थी। परमेश्वर के अंतिम दिनों के लोग, जिनका प्रतिनिधित्व पद एक में बेल्तशस्सर द्वारा किया गया है, यह देखेंगे कि वर्ष 508 से 538 तक की अवधि एक भविष्यवाणी-अवधि का प्रतिनिधित्व करती है, जो मसीह के इतिहास में उनके बपतिस्मा के समय प्राप्त सशक्तिकरण से पहले के तीस वर्षों की तैयारी से प्रतिरूपित थी। वे यह भी देखेंगे कि यह भविष्यवाणी-अवधि 1776 से 1798 तक की भविष्यवाणी-अवधि का भी प्रतिनिधित्व करती है, और यह कि ये तीनों अवधियाँ एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी के समय का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुआ और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर समाप्त होगा।

बारहवें अध्याय में, डैनियल मिलराइट्स और उन पाँच महत्वपूर्ण सत्यों और अनुभवों का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें उन लोगों में दोहराया जाना है जिनका प्रतिनिधित्व बेल्तेशज्जर करता है। मिलराइट्स का तीसरा सत्य और अनुभव है, "'daily' का सही दृष्टिकोण, ... प्रभु ने ... उन लोगों को दिया जिन्होंने न्याय-घड़ी का आह्वान किया।" उस सत्य को अस्वीकार करना एलेन व्हाइट की रचनाओं—जो भविष्यवाणी की आत्मा हैं—को अस्वीकार करना है। मिलराइट्स और तीसरे स्वर्गदूत के संदेशवाहकों का चौथा सत्य और अनुभव तेरह सौ पैंतीस वर्षों की भविष्यवाणी है, जो 508 में, उस वर्ष जब 'daily' हटा दिया गया, आरंभ हुई।

508 से शुरू करके, तेरह सौ पैंतीस वर्ष आपको 1843 तक ले जाते हैं, पर केवल 1843 तक नहीं, क्योंकि भविष्यवाणी वास्तव में 1843 के बिल्कुल अंतिम दिन को ठीक-ठीक निर्दिष्ट करती है, क्योंकि उसमें कहा गया है, "धन्य है वह जो प्रतीक्षा करता है, और एक हजार तीन सौ पैंतीस दिनों तक पहुँचता है।" "cometh" के रूप में अनुवादित हिब्रू शब्द "naga" है, और उसका अर्थ "छूना" या "हाथ रखना" होता है। इसलिए भविष्यवाणी का अर्थ यह है: "धन्य है वह जो प्रतीक्षा करता है, और" 1843 को छूता है या उस पर हाथ रखता है।

मिलेराइट इतिहास में प्रतीक्षा की आशीष उन बुद्धिमान कुँवारियों के लिए थी जिन्होंने पहली निराशा का अनुभव किया, परन्तु उस "विलंबित दर्शन" की प्रतीक्षा की। जैसा कि मिलेराइट लोग दस कुँवारियों के दृष्टान्त और हबक्कूक अध्याय दो की पूर्ति में उस "विलंबित दर्शन" की प्रतीक्षा कर रहे थे, वे आशीषित हुए। उस प्रतीक्षा काल में उन्होंने तब देखा कि वे उस दृष्टान्त को पूरा कर रहे थे, और यह कि अंत में वह दर्शन "बोलेगा"। उनकी प्रतीक्षा का समय और निराशा इस गलत निर्धारण पर आधारित थे कि तेईस सौ वर्ष 1843 में समाप्त होंगे, परन्तु वास्तव में वह दर्शन 1844 के लिए था। उनकी निराशा उस अनुभव पर आधारित थी जो तब उत्पन्न हुआ जब 1843 का वर्ष मसीह की वापसी के बिना समाप्त हो गया। उनकी निराशा, और उसके बाद जिन्होंने प्रतीक्षा करना चुना उन पर घोषित आशीष—ये सब वर्ष 1843 के बिल्कुल अंतिम दिन पर आधारित थे, जो 1844 को "छूता" या "आ पहुँचता" है।

दस कुँवारियों के दृष्टान्त की पूर्ति के रूप में पहली निराशा का अनुभव Belteshazzar द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए लोगों में समझा जाता है और दोहराया जाता है। Belteshazzar द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए लोगों द्वारा पहचानी जाने वाली पाँचवीं सच्चाई और अनुभव यह होगा कि "दिनों के अंत" में, Daniel "अपने भाग में खड़ा होगा"।

"मुहर हटाए जाने के समय से और सत्य का प्रकाश उसकी दर्शनों पर चमकने लगने के समय से, दानिय्येल अपने भाग में खड़ा रहा है। वह अपने भाग में खड़ा है, उस साक्ष्य को धारण किए हुए जिसे दिनों के अंत में समझा जाना था।" Sermons and Talks, volume 1, 225, 226.

मिलरवादियों ने 1798 में, जब दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खोली गई, उससे आई ज्ञान-वृद्धि द्वारा सम्पन्न शुद्धिकरण प्रक्रिया का अनुभव किया। बेल्तेशज्जर द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए लोग 1989 में, जब दानिय्येल की

पुस्तक की मुहर खोली गई, उससे आई ज्ञान-वृद्धि द्वारा सम्पन्न शुद्धिकरण प्रक्रिया का अनुभव करेंगे। वे यह भी समझेंगे कि एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी में दानिय्येल की पुस्तक का एक विशेष उद्देश्य है।

"जब परमेश्वर किसी व्यक्ति को कोई विशेष कार्य करने को देता है, तो उसे दानिय्येल की तरह अपने ठहराए हुए भाग और स्थान पर दृढ़ खड़ा रहना चाहिए, परमेश्वर के आह्वान का उत्तर देने के लिए तैयार रहना चाहिए, और उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।" Manuscript Releases, खंड 6, 108.

पूर्व लाओदीकियावासी होने के नाते, बेल्तशस्सर द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए लोग यह पहचानेंगे कि दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकें, जो कि एक ही पुस्तक हैं, के माध्यम से ही अंतिम पुनर्जागरण संपन्न होता है।

"जब दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों को बेहतर समझा जाएगा, तो विश्वासियों को एक बिल्कुल भिन्न धार्मिक अनुभव होगा. . . प्रकाशितवाक्य के अध्ययन से एक बात निश्चित रूप से समझी जाएगी—कि परमेश्वर और उसकी प्रजा के बीच का संबंध घनिष्ठ और निश्चित है।" मेरे जीवन की आस्था, 345.

पूर्व लाओदीकियाई होने के नाते, वे अपनी लाओदीकियाई अवस्था को पहचान चुके होंगे, और यह भी पहचान चुके होंगे कि वे आत्मिक रूप से सूखी हड्डियों की घाटी जितने मृत थे; और अपनी मृत तथा खोई हुई अवस्था के विषय में मिली सीधी गवाही के प्रत्युत्तर में वे जीवित होने की अपनी आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में पहचानेंगे।

"हमारे बीच सच्ची भक्तिभावना का पुनर्जागरण हमारी सभी आवश्यकताओं में सबसे महान और सबसे अधिक तात्कालिक है। इसकी खोज करना हमारा प्रथम कार्य होना चाहिए।" Selected Messages, book 1, 121.

बाइबल का यह प्रतिज्ञावचन है कि जो कोई खोजता है, वह पाएगा, और तब पवित्र आत्मा उनका मार्गदर्शन करेगा कि वे समझें कि आवश्यक पुनर्जागरण उत्पन्न करने वाली पुस्तकें दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य ही हैं।

"जब हम एक समुदाय के रूप में यह समझेंगे कि यह पुस्तक हमारे लिए क्या अर्थ रखती है, तब हमारे बीच एक महान जागृति दिखाई देगी।" मंत्रियों के लिए गवाहियाँ, 113.

बारहवें अध्याय में प्रस्तुत दानिय्येल के अंतिम दर्शन का अंत, उस अनुभव की पहचान करता है जो परमेश्वर की अंतिम दिनों की वाचा की प्रजा को गठित करता है, जैसा कि अंतिम दर्शन की पहली आयत में बेल्तशस्सर द्वारा दर्शाया गया है। वहाँ दानिय्येल, जो बेल्तशस्सर के रूप में प्रस्तुत है, तेईस सौ वर्षों के आंतरिक दर्शन और पच्चीस सौ बीस वर्षों के बाह्य दर्शन दोनों को समझता है। वह 'बात' और 'दर्शन' को समझता है। वह chazon दर्शन और mareh दर्शन को समझता है। वह पवित्रस्थान और सेना के रौंदे जाने को, और पवित्रस्थान और सेना की पुनर्स्थापना को समझता है। वह उलाई और हिदेकेल, दोनों नदियों के दर्शनों को समझता है।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

परमेश्वर के वचन का कहीं अधिक निकट से अध्ययन करने की आवश्यकता है; विशेषकर दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य पर ऐसा ध्यान दिया जाना चाहिए जैसा हमारे कार्य के इतिहास में पहले कभी नहीं दिया गया। रोमी सत्ता और पोपसत्ता के संबंध में कुछ बातों में हमें शायद कम कहना पड़े; परंतु हमें इस ओर ध्यान दिलाना चाहिए कि परमेश्वर के पवित्र आत्मा की प्रेरणा से भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों ने क्या लिखा है। पवित्र आत्मा ने, भविष्यद्वक्ताओं को देने में और चित्रित की गई घटनाओं में, बातों को इस प्रकार विन्यस्त किया है कि यह सिखाया जाए कि मानवीय कार्यकर्ता को दृष्टि से दूर रखा जाए, वह मसीह में छिपा रहे, और स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर तथा उसकी व्यवस्था को उच्च स्थान दिया जाए। दानिय्येल की पुस्तक पढ़ो। वहाँ प्रस्तुत किए गए राज्यों का इतिहास बिंदु दर बिंदु सामने लाओ। राजनेताओं, परिषदों, शक्तिशाली सेनाओं को देखो, और देखो कि परमेश्वर ने किस प्रकार मनुष्यों के घमंड को नीचे गिराया, और मानवीय महिमा को धूल में मिला दिया....

परमेश्वर से दानिय्येल को जो प्रकाश मिला, वह विशेष रूप से इन अंतिम दिनों के लिए दिया गया था। ऊलाई और हिदेकेल, जो शिनार की महान नदियाँ हैं, के तटों पर उसने जो दर्शन देखे, वे अब पूर्ति की प्रक्रिया में हैं, और पूर्वकथित सभी घटनाएँ शीघ्र ही घटित होंगी।

जब दानिय्येल की भविष्यवाणियाँ दी गई थीं, तब यहूदी राष्ट्र की परिस्थितियों पर विचार कीजिए।

आइए हम बाइबल के अध्ययन के लिए अधिक समय दें। हम वचन को जैसा हमें समझना चाहिए, वैसा नहीं समझते। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक एक ऐसे आदेश के साथ आरंभ होती है कि हम उसमें निहित शिक्षा को समझें। परमेश्वर घोषित करते हैं, 'धन्य है वह जो पढ़ता है, और वे जो इस भविष्यवाणी के वचन सुनते हैं, और उन बातों का पालन करते हैं जो उसमें लिखी गई हैं; क्योंकि समय निकट है।' जब हम एक लोग के रूप में यह समझेंगे कि यह पुस्तक हमारे लिए क्या मायने रखती है, तो हमारे बीच एक महान जागृति दिखाई देगी। इसे खोजने और अध्ययन करने का हमें आदेश दिया गया है, फिर भी हम उन पाठों को पूरी तरह नहीं समझते जो यह सिखाती है।

अतीत में शिक्षकों ने दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य को मुहरबंद पुस्तकें घोषित किया है, और लोगों ने उनसे मुँह मोड़ लिया है। जिस परदे का कथित रहस्य कईयों को उसे उठाने से रोकता रहा है, परमेश्वर के अपने हाथ ने अपनी वाणी के इन भागों पर से उसे हटा दिया है। 'प्रकाशितवाक्य' नाम ही इस कथन का खंडन करता है कि वह एक मुहरबंद पुस्तक है। 'प्रकाशितवाक्य' का अर्थ है कि कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट की गई है। इस पुस्तक की सच्चाइयाँ इन अंतिम दिनों में जीने वालों को संबोधित हैं। हम पवित्र वस्तुओं के पवित्र स्थान में परदा हटे हुए खड़े हैं। हमें बाहर खड़े नहीं रहना है। हमें प्रवेश करना है, लापरवाह, श्रद्धाहीन विचारों के साथ नहीं, उतावले कदमों से नहीं, बल्कि श्रद्धा और परमेश्वर के भय के साथ। हम उस समय के निकट पहुँच रहे हैं जब प्रकाशितवाक्य की पुस्तक की भविष्यवाणियाँ पूरी होने वाली हैं....

हमारे पास परमेश्वर की आज्ञाएँ और यीशु मसीह की गवाही है, जो भविष्यवाणी की आत्मा है। परमेश्वर के वचन में अनमोल रत्न पाए जाते हैं। जो लोग इस वचन की खोज करते हैं, उन्हें मन को निर्मल रखना चाहिए। उन्हें खाने-पीने में विकृत भूख के आगे कभी नहीं झुकना चाहिए।

यदि वे ऐसा करते हैं, तो उनका मस्तिष्क भ्रमित हो जाएगा; इस पृथ्वी के इतिहास के समापन दृश्यों से संबंधित उन बातों का अर्थ पता लगाने के लिए गहराई में उतरने के तनाव को वे सहन नहीं कर पाएंगे।

जब दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकें बेहतर समझी जाएँगी, तो विश्वासियों को एक सर्वथा भिन्न धार्मिक अनुभव होगा। उन्हें स्वर्ग के खुले द्वारों की ऐसी झलकें दी जाएँगी कि हृदय और मन पर उस चरित्र की छाप पड़ जाएगी, जिसे सभी को विकसित करना है, ताकि वे उस धन्यता का अनुभव कर सकें जो शुद्ध हृदय वालों को पुरस्कार के रूप में मिलने वाली है।

प्रभु उन सबको आशीष देगा जो नम्रता और दीनता से प्रकाशितवाक्य में जो प्रकट किया गया है उसे समझने का प्रयास करेंगे। इस पुस्तक में इतना कुछ है जो अमरत्व से ओत-प्रोत और महिमा से परिपूर्ण है कि जो भी इसे मन लगाकर पढ़ते और खोजते हैं, उन्हें यह आशीष मिलती है: 'जो इस भविष्यवाणी के वचनों को सुनते हैं, और जो उसमें लिखी बातों का पालन करते हैं।'

प्रकाशितवाक्य के अध्ययन से एक बात निश्चित रूप से समझ में आएगी—कि परमेश्वर और अपने लोगों के बीच का संबंध घनिष्ठ और दृढ़ है।

स्वर्गीय ब्रह्मांड और इस संसार के बीच एक अद्भुत संबंध दिखाई देता है। दानिय्येल को जो बातें प्रकट की गईं, उनका परिपूरण बाद में पातमोस द्वीप पर यूहन्ना को दी गई प्रकाशना द्वारा हुआ। इन दोनों पुस्तकों का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया जाना चाहिए। दानिय्येल ने दो बार पूछा, "समय के अंत तक और कितना समय रहेगा?"

'और मैंने सुना, परन्तु समझा नहीं; तब मैंने कहा, हे मेरे प्रभु, इन बातों का अन्त क्या होगा? और उसने कहा, हे दानियेल, तू अपने मार्ग चला जा; क्योंकि ये वचन अन्त समय तक बन्द रखे और मुहरबन्द किए गए हैं। बहुत से शुद्ध किए जाएंगे, उजले बनाए जाएंगे, और परखे जाएंगे; परन्तु दुष्ट लोग दुष्टता ही करेंगे; और दुष्टों में से कोई न समझेगा; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। और जिस समय से नित्य बलिदान हटाया जाएगा, और उजाड़नेवाली घृणित वस्तु स्थापित की जाएगी, वहीं से एक हजार दो सौ नब्बे दिन होंगे। धन्य है वह जो प्रतीक्षा करता है और एक हजार तीन सौ पैंतीस दिनों तक पहुँचता है। परन्तु तू अन्त तक अपने मार्ग चला जा; क्योंकि तू विश्राम करेगा, और दिनों के अन्त में अपनी बारी में खड़ा होगा।'

यहूदा के गोत्र का सिंह ही वह था जिसने पुस्तक की मुहर खोली और यूहन्ना को यह प्रकट किया कि इन अंतिम दिनों में क्या होना है।

दानियेल अपनी गवाही देने के लिए अपने भाग में खड़ा रहा, जो अंत के समय तक मुहरबंद थी, जब हमारे संसार में पहले स्वर्गदूत का संदेश घोषित किया जाना था। ये बातें इन अंतिम दिनों में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं; परन्तु जबकि 'बहुतों को शुद्ध किया जाएगा, शुभ्र बनाया जाएगा, और परखा जाएगा,' 'दुष्ट दुष्टता करेंगे; और दुष्टों में से कोई न समझेगा।' यह कितना सत्य है! पाप परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन है; और जो लोग परमेश्वर की व्यवस्था के विषय में दी गई ज्योति को स्वीकार नहीं करेंगे, वे पहले, दूसरे और तीसरे स्वर्गदूतों के संदेशों की घोषणा को नहीं समझेंगे। दानियेल की पुस्तक की मुहर यूहन्ना को दिए गए प्रकाशितवाक्य में खोली गई है, और वह हमें इस पृथ्वी के इतिहास के अंतिम दृश्यों तक आगे ले जाती है।

"क्या हमारे भाई यह याद रखेंगे कि हम अंतिम दिनों के खतरों के बीच जी रहे हैं? प्रकाशितवाक्य को दानियेल के साथ मिलाकर पढ़ें। इन बातों की शिक्षा दें।" Testimonies to Ministers, 112-115.